देश के लिए.....अव्यवस्था के खिलाफ.....

जवाब दो!!!सरकार...

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2018/TWB/01

E-Newsletter, Issued in Public Interest

शुक्रवार, 21 दिसम्बर 2018

आदरणीय मंत्री श्री राज्यवर्धन जी!!!

ओलम्पिक में भारत को अधिक से अधिक पदक जीतवाना चाहते है तो झोला छाप,भ्रष्ट खेल संघो से खेल प्रतिभाओं को मुक्त करवाइए|

राजस्थान तलवारबाजी संघ द्वारा स्थानीय खिलाडियों के भविष्य के साथ खिलवाड़

बिना खिलाडियों के ट्रायल के ही भेज रहे है राजस्थान से राष्ट्रीय जूनियर तलवारबाजी के लिए टीम|

तलवारबाजी का प्रशिक्षण लेने वाले 17 खिलाड़ियों व उनके अभिभावकों का आरोप है कि राजस्थान तलवारबाजी संघ ने उन्हें

उन्हें जानबूझ कर प्रदेश स्तरीय जूनियर चयन प्रक्रिया(ट्रायल)में शामिल नहीं किया|संघ के अधिकारीयों ने पहले कहा था कि ट्रायल चुनाव बाद होगा परन्तु अब यह कह रहे है कि ट्रायल तो हो चुका है

सुलगता सवाल??

जब टूर्नामेंट की घोषणा ही अक्टूबर में हुई तो ट्रायल अप्रेल में कैसे ले लिया??

इस खेल की जूनियर नेशनल फेंसिंग चैम्पियनशिप जो कि 26 से 29 दिसम्बर को रुद्रपुर उत्तराखंड में होने वाली है, उसकी घोषणा ही भारतीय फेंसिंग एसोसियेशन द्वारा 27/10/2018 को की गयी थी तो राजस्थान के संघ द्वारा उसके लिए कैसे खिलाड़ियों का ट्रायल अप्रेल में ही ले लिया गया यह समझ से परे है,और दाल में कुछ काला होने की तरफ इशारा करती है|

और टीम का चयन कर लिया गया है|

इस मामले में राजस्थान तलवारबाजी संघ के अध्यक्ष दाउद खान ने दैनिक भास्कर के संवाददाता को बताया कि टीम के लिए खिलाडियों

खिलाड़ियों को ट्रायल में मौका नहीं, पहले कहा-चुनाव बाद, अब बोले-हो गया

राजस्थान तलवारबाजी एसोसिएशन के अध्यक्ष बोले-हमने जिला संघ को बता दिया था, संघ के अध्यक्ष ने कहा-हमको नहीं बताया

का चयन अप्रेल माह में ही हो चुका है जिसकी सूचना जिला तलवारबाजी संघों को दे दी गयी थी|

परन्तु जिला संघो ने ऐसे कोई ट्रायल की सूचना होने से इंकार किया है भास्कर संवाददाता के सवाल करने पर अलवर जिला तलवारबाजी संघ के अध्यक्ष सुनील रोहिल्ला ने भी किसी प्रकार के ट्रायल होने की सूचना से इनकार किया है|

सूचना के अधिकार के तहत हुए चौकाने वाले खुलासे

इस मुद्दे पर जब अभिभावकों द्वारा सूचना के अधिकार के तहत विभिन्न जिलों के खेल प्रशिक्षण केन्द्रों से सूचनाएं चाही गयी तो कईयों इस गडबडझाले से बचने के लिए चाही गयी सूचनाओं का जवाब देना ही उचित नहीं समझा जबकि भीलवाडा,हनुमानगढ़ के लोक सूचना अधिकारीयों द्वारा बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि उनके जिलों में तलवारबाजी खेल का कोई संघ रजिस्टर्ड नहीं है|

अभिभावकोंके अनुसार अमूमन यह स्थिति सभी जिलों की है जहाँ पर तलवारबाजी का कोई संघ पंजीकृत नहीं है|और जब पंजीकरण ही नहीं है तो ट्रायल कैसे हो सकता है?

क्या है गडबडझाला?परिवारवाद की बेल है मुख्य जड

इस पूरे मामले में जब गडबडझाले का पता लगाया गया तो अभिभावकों ने बताया कि इस संघ के सचिव पद पर काबिज

शहजाद खान जो कि इस खेल के कोच भी है, के दो भतीजे शोयब खान और सरफराज खान है,जो लगातार हर टूर्नामेंट में राजस्थान तलवारबाजी संघ की तरफ से राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते आ रहे है|अभिवावकों की शिकायत के अनुसार इन दोनों को इस खेल का पूरा ज्ञान

नहीं है केवल एक्स्ट्रा में बैठकर अन्य बेहतरीन खिलाडियों की परफोर्मेंस के बल पर यह दोनों इस खेल में 3 –4 दर्जन पदक भी जीत चुके है|जिसमे इनाम के तौर पर लाखों रूपये मिलते है| साथ ही जो अभिभावक पैसा देने को तैयार हो जाता है उनके बच्चों को ही टीम में शामिल कर लिया जाता है अन्यथा बाहर के राज्यों के खिलाडियों को पैसा लेकर राजस्थान की टीम में शामिल कर लिया जाता है|यही वजह है कि बिना ट्रायल के ही टीम का चयन कर प्रतियोगिता हेतु भेज दिया जाता है|

अभिभावक करवा रहे है स्वयं के स्तर पर अपने बच्चों को तैयारी|

अलवर जिले के अभिभावक तलवारबाजी के हुनर को तराशने के लिए स्वयं के स्तर पर ही तैयारी कर रहे है उनके दवरा एक नीजी कोच की सहायता से अपने बच्चों को प्रशिक्षण दिलवाया जा रहा है

उनका कहना है कि यही राजस्थान में तलवारबाजी के यही हालात रहे तो उन्हें भी या तो हालातों से समझोता कर पैसे देकर खिलाना पड़ेगा या दुसरे राज्यों से अपने बच्चों को प्रतियोगी मुकाबलों में उतरना पड़ेगा|

राजस्थान तलवारबाजी संघ राजस्थान क्रीडा परिषद से नहीं है मान्यता प्राप्त

आश्चर्य की बात है कि इस संघ को राजस्थान क्रीडा परिषद से कोई मान्यता प्राप्त नहीं है जो कि राज्य की एक सरकारी संस्था है|इसे राजस्थान स्टेट ओलम्पिक असोसिएशन द्वारा मान्यता दी गयी है|जिससे इसके वजूद पर ही संदेह उत्पन्न होता है|